

यूनापत्थर से निर्मित कन्दराओं में सभी प्रकार के तिरों की सम्मिलित रूप से 'स्पिलिडोथैम' कहा जाता है। इनमें सर्वप्रमुख संघटक कैल्शियम होता है।

स्टैलेकार्ट - अधिकतम कन्दराओं में जल या तो स्वल्प मात्रा में तिराहित हो जाता है या भीम जल स्तर है नीचा हो जाने से जल तल नीचा हो जाता है तो कन्दरा की ऊपरी छत से जल रिस कर नीचे टपकने लगता



चित्र: स्टैलेकार्ट तथा स्टैलेगमाइट का निर्माण

है। ये स्वल्प ऊपर से नीचे की ओर लटकते हैं। इन्हें आभासी स्तम्भ भी कहते हैं। ये स्वल्प कन्दरा की छत के पास होते तथा धीरे-धीरे नीचे की ओर पतले होते जाते हैं। इन्हें अवशेष भी कहते हैं।

स्टैलेगमाइट → कन्दरा की छत से रिसने वाले जल की मात्रा यदि कुछ अधिक होती है तो वह सीधे टपक कर कन्दरा के फर्श पर पहुँच जाता है। इस तरह कन्दरा के फर्श पर निक्षेपालम्बक स्तम्भ का निर्माण हो जाता है। धीरे-धीरे निक्षेप द्वारा इन स्तम्भों की ऊंचाई ऊपर की ओर बढ़ती जाती है। इस प्रकार के स्तम्भों को स्टैलेगमाइट कहते हैं। आधा घण्टे में मोटे तथा विस्तृत होते हैं। परन्तु ऊपर की ओर पतले तथा उधिले होते जाते हैं। इनकी ऊंचाई निरन्तर ऊपर की ओर बढ़ती जाती है।

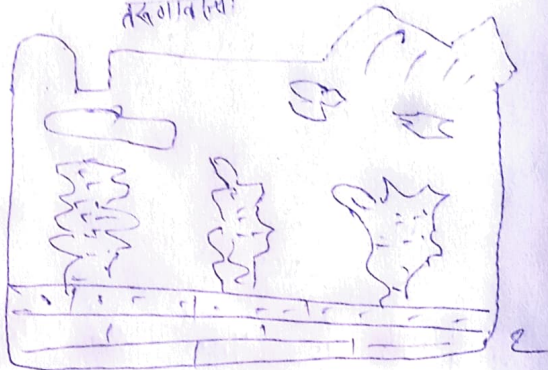
कन्दरा स्तम्भ - स्टैलेगमाइट की अपेक्षा स्टैलेकार्ट अधिक लम्बे होते हैं। निरन्तर लम्बाई में वृद्धि के कारण स्टैलेकार्ट बढ़ कर कन्दरा के फर्श पर पहुँच जाते हैं। इस तरह एक ऐसे स्तम्भ का निर्माण हो जाता है जो कि कन्दरा की छत को स्पर्श करने से झिल्लाता है। इस स्तम्भ को कन्दरा स्तम्भ कहते हैं। कन्दरा स्तम्भ का निर्माण अन्य रूप में भी होता है। स्टैलेकार्ट तथा स्टैलेगमाइट निरन्तर बढ़ते रहते हैं तथा एक-दूसरे से मिलकर एक हो जाते हैं। परिणामस्वरूप कन्दरा स्तम्भ का निर्माण होता है।

कार्ट अपरदन चक्र 1 कार्ट मैदान 2. तलावस्था 3. प्रोवावस्था 4. क्षणवस्था

Karst plain



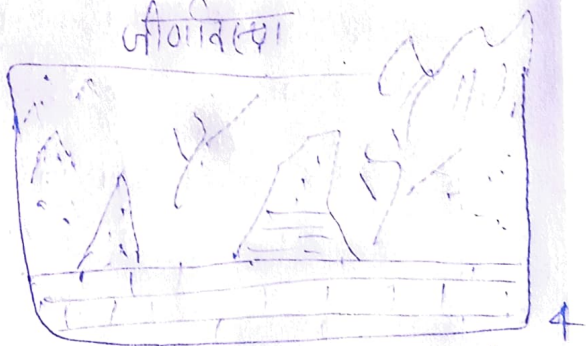
तलावस्था



प्रोवावस्था



क्षणवस्था



चूना पत्थर से बने वाले कुछ क्षेत्रों में कतिपय विशिष्ट स्थानांकित
विशेष कुएं मिलते रहते हैं - काकपिट कार्ट, शान कार्ट,
पोलीगोनल कार्ट तथा लघु कार्ट। इसी प्रकार पर्वतों में
में शीतल सेलाओं का ह्युमोनि से घोलना होता है।



